

राजस्थान-सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी, राजस्थान, जयपुर

(E mail : DIR.SOCIALAUDIT@RAJASTHAN.GOV.IN, Tel.2227725)

क्रमांक F.61(102)SSAAT/Tender/IV Class/2024-08156

दिनांक: ई-हस्ताक्षरित

बिड संख्या 02 / 2025-26

सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी,(SSAAT)मुख्यालय जयपुर के कार्य संचालन हेतु 04 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु इच्छुक पंजीकृत व मान्यता प्राप्त संवेदको/सेवाप्रदाताओं से दो लिफाफा पद्धति में निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	आवश्यक सेवायें	अनुमानित संख्या/राशि	बिड प्रपत्र राशि	बिड प्रतिभूति राशि(2%)
1	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (अकुशल)	04 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रम विभाग की निर्धारित दरो पर अनुमानित राशि 500000 /—	500 /—	10000 /—

बिड प्रपत्र विभाग के कार्यालय में दिनांक 25.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे तक निविदा शुल्क जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है या राज्य लोक उपापन पोर्टल की वेबसाईट <https://Sppp.rajasthan.gov.in> व <https://socialaudit.rajasthan.gov.in> से देखा व डाउन लोड किया जा सकता है। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 25.09.2025 को सांय 4.00 बजे खोली जायेगी।

निदेशक
(SSAAT)

क्रमांक F.61(102)SSAAT/Tender/IV Class/2024-08156

दिनांक: ई-हस्ताक्षरित

प्रतिलिपि प्रोग्रामर, कार्यालय हाजा को संबंधित बिड को वेबसाईट एवं उचित माध्यम पर अपलोड करने संबंधी आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

निदेशक
(SSAAT)



बोली (Bid) का विवरण

बोली (Bid) की विषय वस्तु	सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी शासन सचिवालय, जयपुर में 04 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की सेवाओं के उपापन हेतु बोली (Bid) आमंत्रण
बोली (Bid) जिसे सम्बोधित होगी	निदेशक, सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी, शासन सचिवालय, जयपुर
बोली (Bid) का संदर्भ	NIB No.02/SSAAT/4th Class/2025
बोली (Bid) अनुमानित राशि	रुपये 5.00 /— लाख वार्षिक
बोली (Bid) प्रपत्र शुल्क	रुपये 500 /— का बैंकर्स चेक/डिमांड ड्राफ्ट "निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी जयपुर के नाम से देय।
बोली (Bid) प्रतिभूति राशि	रुपये 10000 /— का बैंकर्स चेक/डिमांड ड्राफ्ट "निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी जयपुर के नाम से देय।
बोली (Bid) आमंत्रण का विवरण व बोली प्रपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया व समय	बिड Document वेबसाईट https://Sppp.rajasthan.gov.in व https://socialaudit.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
बोली (Bid) प्रस्तुत करने का अन्तिम समय	बोली (Bid) मय बोली प्रपत्र शुल्क व बोली प्रतिभूति राशि के साथ दिनांक 25.09.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी जयपुर के कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।
बोली (Bid) खोलने का समय	दिनांक 25.09.2025 को सांय 4.00 बजे

निदेशक
(SSAAT)

राजस्थान-सरकार

सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी, राजस्थान, जयपुर

(E mail : DIR.SOCIALAUDIT@RAJASTHAN.GOV.IN, Tel.2227725)

क्रमांक एफ 61(102)/SSAAT/संस्था/बिड पत्रावली/2024/

दिनांक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के लिए तकनीकी बिड- प्रपत्र
(तकनीकी बिड के साथ प्रस्तुत करें)

सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी,(SSAAT) जयपुर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के लिए तकनीकी बिड प्रपत्र :-

1.बोलीदाता /संवेदक का विवरण

- i. नाम.....
 ii. पता
 iii. टेलीफोन न./मोबाईल न.....
 iv. ई: मेल पता

2.बिड शुल्क जमा कराने का विवरण:-

राशि रुपये 500/- डी0डी0/बैंकर चैक सं0..... दिनांक.....

बैंक का नाम.....

3.बिड प्रतिभूति राशि जमा कराने का विवरण:-

राशि रुपये 10000/- डी0डी0/बैंकर चैक सं0.....दिनांक..बैंक

का नाम.....

4.रजिस्ट्रेशन इत्यादि का विवरण :-

क्र.सं	विवरण	रजिस्ट्रेशन नं.	वर्ष	पंजीकरण दिनांक	संलग्नक क्रमांक
1	राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970				
2	कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952				
3	कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948				
4	वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.)				
5	आयकर (पैन नम्बर)				
6	राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958 या इण्डियन पार्टनरशिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत				

नोट :- 1. नियमानुसार जो भी लागू है उनमें सम्पूर्ण सूचनाये अंकित करें तथा वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक/एफ2(1)एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 14.11.2018 के अनुसार शपथ-पत्र संलग्न करना आवश्यक है। यदि फर्म पर कोई बिंदु लागू नहीं है, तो पचास रुपये के नॉन ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर लागू नहीं होने के कारणों सहित सत्यापन करें।

5. कार्य का अनुभव का विवरण:-

क्र.सं.	संस्था का नाम	कार्य की अवधि

नोट – फर्म को विगत पाच वर्षों में न्यूनतम तीन कार्यालयों में मैन पावर आपूर्ति करने का संतोषजनक कार्यानुभव होना आवश्यक है। उपरोक्तानुसार विवरण देवे एवं संतोषजनक कार्य पूर्ण करने का प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न करे।

6. बोली दाता/संवेदक के बैंक की डिटेल:-

बैंक का नाम मय ब्रान्च.....

खाता न.....

खाते का प्रकार.....

IFSC CODE.....

मैंने/हमने सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी,(SSAAT)जयपुर द्वारा जारी की गयी बिड सूचना संख्या दिनांक में वर्णित एंव बिड प्रपत्र के साथ संलग्न समस्त शर्तों को स्वीकार करने के साक्ष्य के रूप में मैंने/हमने हस्ताक्षर किये है जिन्हे मैं/हम मानने के लिए बाध्य हूँ/है।

दिनांक

बोलीदाता/ संवेदक के हस्ताक्षर
(मय सील)

बोलीदाता/संवेदक द्वारा की जानी वाली घोषणा

यदि मेरे/हमारे द्वारा दिये गये उक्त तथ्य गलत पाये गये तो सोसायटी प्रशासन को बिना किसी पत्र/ नोटिस के मेरी/हमारी कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि जब्त करने एवं उक्त बिड को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी,(SSAAT) जयपुर को प्रदत्त करता हूँ/करते है।

बोलीदाता/संवेदक के हस्ताक्षर
(मय सील)

नाम.....

पत्र व्यवहार का पता.....

.....

.....

.....

मो0 न0.....

ई-मेल आईडी.....

राजस्थान-सरकार
सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी, राजस्थान, जयपुर

(E mail : DIR.SOCIALAUDIT@RAJASTHAN.GOV.IN, Tel.2227725)

(वित्तीय बिड में प्रस्तुत करें)
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के लिए वित्तीय बिड

1. संवेदक का नाम, पता, मय मोबाईल नम्बर एवं ईमेल आई.डी.
2. GSTIN No.:
3. PAN No.:
4. EPF No. :
5. ESI No. :
6. प्रस्तुत की जाने वाली दर :-

क्र. सं.	कार्य की प्रकृति	कार्य हेतु आवश्यक मानव संसाधन की अनुमानित संख्या	श्रम विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी (प्रति व्यक्ति प्रतिमाह)	सेवाप्रदाता द्वारा प्रस्तुत प्रति व्यक्ति दर (अंको व शब्दों में)	ई.पी.एफ. दर प्रतिशत 13%	ई.एस. आई. दर प्रतिशत 3.25%	सेवाप्रदाता का सर्विस चार्ज राशि (प्रति व्यक्ति प्रतिमाह) (अंको व शब्दों में)		कुल राशि (प्रति व्यक्ति प्रतिमाह) (अंको व शब्दों में)	
1	2	3	4	5	6	7	8		9	
							अंकों में	शब्दों में	अंकों में	शब्दों में
1	सहायक कर्मचारी	अकुशल व्यक्ति(04)	7410.00							

1. उपरोक्त तालिका के कॉलम संख्या 1 से 4, 6 व 7 तक की पूर्तियां इस कार्यालय द्वारा की जाकर बोली दस्तावेजों में अंकित कर उपलब्ध करायी गयी है तथा केवल कॉलम संख्या 5,8 व 9 में ही बोलीदाता द्वारा समुचित प्रविष्टियों का अंकित की जायेगी।
2. संवेदक/बोलीदाता द्वारा श्रमिकों को देय राशि पर वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) राशि अतिरिक्त रूप से देय होगी।
3. न्यूनतम मजदूरी की दरें समय-समय पर जो प्रभावी होगी, देय होगी। इसी प्रकार ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई. की दरें में भी कोई परिवर्तन हो तो वह भी देय होगा।
4. वित्तीय बिड में बिड की प्रति व्यक्ति प्रतिमाह की राशि एवं सर्विस चार्ज की राशि व कुल राशि क्रमशः क्रमांक न. 5,8 एवं 9 में प्रस्तुत करनी होगी। कॉलम संख्या 09 में न्यूनतम दर प्रस्तुत करने वाले संवेदक की दर एल-1 मानकर आवश्यक अग्रिम कार्यवाही संपादन की जायेगी।
5. वित्तीय बिड में सेवाप्रदाता फर्म द्वारा सेवा शुल्क (Service Charges) से संबंधित कॉलम संख्या 8 रिक्त नहीं छोड़ा जावे यह कॉलम रिक्त छोड़े जाने पर वित्तीय बिड निरस्त मानी जायेगी। सर्विस चार्ज की राशि प्रति व्यक्ति प्रतिमाह प्रस्तुत की जायेगी।
6. संवेदक को न्यूनतम सर्विस चार्ज 1 रु से कम प्रस्तुत करने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

बोलीदाता/ संवेदक के हस्ताक्षर
(मय सील)

RajKaj Ref No.:
17655215

eSign 1.0

(तकनीकी बिड के साथ प्रस्तुत करें)

(I) तकनीकी बिड में योग्यता

1. तकनीकी बिड में मांगी गयी सूचनाएं एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने पर ही फर्म को तकनीकी बिड में योग्य घोषित किया जायेगा।
2. तकनीकी बिड में योग्य घोषित बिडदाता की ही वित्तीय बिड खोली जायेगी।

(II) सहायक कर्मचारियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता

1. सफल बिडदाता द्वारा लगाये जाने वाले सहायक कर्मचारियों की न्यूनतम योग्यता दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. सभी सहायक कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

(III) सहायक कर्मचारियों के कार्य :-

1. राज्य सरकार में सहायक कर्मचारी के जो कार्य हैं वह सभी कार्य सफल बिडदाता द्वारा लगाये जाने वाले सहायक कर्मचारियों को करने होंगे व सचिवालय परिसर से बाहर के कार्य भी करने होंगे जिसका कोई अतिरिक्त चार्ज देय नहीं होगा।
2. कार्य का समय सामान्यतः प्रातः 9.00 से सायं 6:30 बजे तक रहेगा किंतु अधिकारियों के कार्यालय में उपस्थिति रहने पर आवश्यकता अनुसार सहायक कर्मचारी को भी उपस्थिति रहना होगा।
3. राजकीय अवकाशों में भी बुलाने पर सहायक कर्मचारी को कार्यालय में उपस्थिति देनी होगी।

(IV) बिड की सामान्य नियम एवं शर्त :-

1. निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी, जयपुर राजस्थान सरकार (जिसे आगे द्वितीय पक्षकार सम्बोधित किया जाएगा) तथा राजस्थान सरकार (जिसे इसमें आगे "सरकार" / द्वितीय पक्षकार कहा गया है) तथा इस अभिव्यक्ति में, जहां सन्दर्भ द्वारा ऐसा स्वीकार किया जायेगा, उसके पद के उत्तराधिकारियों एवं समुद्देशितियों को शामिल किया हुआ समझा जाएगा।
2. यदि संवेदक एवं कार्य पर लगाये गये सहायकों के मध्य कोई विवाद उत्पन्न होता है तो उसकी प्रबंधकीय जिम्मेदारी संवेदक की होगी।
3. कार्य सम्पादन अवधि के दौरान कार्य के संबंध में/सन्दर्भ में किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति या मुआवजा देने/ईएसआई/ईपीएफ/सामूहिक दुर्घटना बीमा कराने इत्यादि की जिम्मेदारी एवं दायित्व संवेदक का होगा, इसके लिए सोसायटी कार्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
4. अनुबंध की अवधि एक वर्ष के लिए मान्य होगी तथा फर्म का कार्य संतोषप्रद स्थिति में होने पर परस्पर आपसी सहमति के आधार पर अनुबंध की अवधि में नियमानुसार वृद्धि की जा सकेगी।
5. न्यूनतम बिडदाता द्वारा निर्धारित अवधि में अनुबंध नहीं करने अथवा कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि जमा नहीं करवाने पर उसकी जमा बोली प्रतिभूति राशि जब्त करते हुये बिड निरस्त कर दी जायेगी एवं द्वितीय न्यूनतम बोलीदाता की बिड स्वीकृत करने का निर्णय लिया जा सकेगा।

6. संवेदक को अनुमोदित दर के आधार पर कुल भुगतान राशि का 05 प्रतिशत कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसाइटी,(SSAAT)जयपुर के निर्देशानुसार सोसायटी के खाता संख्या 38872762396 (स्टेट बैंक आफ इण्डिया,शासन सचिवालय,जयपुर)में जमा कराकर रसीद प्रस्तुत करनी होगी।
7. संवेदक को किसी भी कारण से विलम्ब से भुगतान होने की स्थिति में किसी भी प्रकार का क्लेम सोसायटी प्रशासन से नहीं करेगा तथा नियमित रूप से सहायकों, को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक आवश्यक रूप से भुगतान करना होगा।
8. संवेदक को अनुबंध का कार्य संचालन स्वयं को ही करना होगा व अन्य किसी व्यक्ति /संस्था को अनुबन्ध सबलेट नहीं करेगा।
9. किसी भी बिड /अनुबंध को बिना कारण बताये निरस्त/ अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सोसायटी को होगा।
10. सोसायटी एवं संवेदक के मध्य किसी प्रकार का विवाद, शिकायत एवं माननीय न्यायालय में वाद लंबित नही होने के उपरान्त ही कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि, लौटाने संबंधी कार्यवाही की जावेगी।
11. सभी विवादों, का न्याय क्षेत्र जयपुर स्थित न्यायालय होंगे।
12. बिड एवं अनुबंध पत्र में वर्णित शास्तियां (पूर्ण/आंशिक) लगाने/नहीं लगाने का पूर्ण अधिकार सोसायटी को होगा जो कि अनुबंधित फर्म को बिना किसी आपत्ति के मान्य होगा।
13. राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम,2013 के यथा संशोधित समस्त प्रावधान लागू होंगे।
14. वित्त G&T विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 2(1) वित्त/एस.पी.एफ.सी./2017 दिनांक 30.04.2018 एवं 14.11.2018 एवं समय पर जारी अन्य परिपत्र/आदेश आदि में समस्त शर्तें लागू होंगी।
15. संवेदक द्वारा बीच में छोड़ने पर, अनुबंध की शर्तों की पालना नहीं, करने या संवेदक का कार्य संतोषप्रद नहीं होने की स्थिति में अनुबंध निरस्त कर पूर्ण कार्य सम्पादन राशि को जब्त करने का पूर्ण अधिकार सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसाइटी,(SSAAT) जयपुर को होगा।
16. वित्तीय बिड में समान दरें प्राप्त होने सभी न्यूनतम दरदाताओं में से जो भी फर्म अधिकतम अनुभव धारक होगी उसे यह कार्य दिया जावेगा परन्तु इस हेतु बिड के साथ संलग्न दस्तावेजों को ही आधार माना जावेगा, कोई नये दस्तावेज नहीं लिये जावेंगे।
17. सफल बिडदाताओं में से एक से अधिक फर्मों की दरों को अनुमोदित करने का सोसायटी को पूर्ण अधिकार होगा।
18. संवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये कर्मचारी सोसायटी के कर्मचारी नही माने जायेगे।
19. समस्त प्रकार के विधिक दायित्वों की जिम्मेदारी सहायक की आपूर्तिकर्ता फर्म की होगी। इसके लिए सोसायटी जिम्मेदार नहीं होगी।
20. एक वर्ष की अवधि से पूर्व सोसायटी में सेवानिवृत्त सहायक की नियुक्ति होने पर अनुबन्ध तत्काल प्रभाव से बिना नोटिस दिये समाप्त कर दिया जायेगा।
21. दरों में मूल दर + कोई भी देय कर या अन्य राशियाँ आवश्यक रूप से पृथक से दिखावे। परन्तु कुल राशि प्रतिमाह भी अंकित की जावे।
22. दरों की गणना कुल देय राशि के आधार पर की जावेगी तथा कुल देय राशि में एल-1 फर्म को ही सोसायटी में संविदा पर रखा जा सकेगा।
23. उपरोक्त दरों के अतिरिक्त संवेदक/बोलीदाता द्वारा श्रमिकों को देय राशि पर वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) राशि अतिरिक्त रूप से देय होगी।

24. न्यूनतम मजदूरी की दरे समय-समय पर जो प्रभावी होगी, देय होगी। इसी प्रकार ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई. की दर में भी कोई परिवर्तन हो तो वह भी देय होगा।
25. नियमानुसार टीडीएस की कटौती की जावेगी।
26. करार एवं प्रतिभूति निक्षेप:—
- (i) सफल बिडदाता को आदेश के प्राप्त होने से 07 दिवस में रु 500/— नॉन ज्युडिशियल स्टाम्प पर एक करार पत्र निष्पादित कराना होगा तथा बिड मूल्य के 05 प्रतिशत के बराबर कार्य निष्पादन सुरक्षा राशि जमा करानी होगी।
 - (ii) बिड के समय जमा कराई गई प्रतिभूति राशि का समायोजन कार्य निष्पादन सुरक्षा राशि में कर लिया जावेगा।
 - (iii) कार्य निष्पादन सुरक्षा राशि पर विभाग द्वारा ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा।
27. किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मैंने /हमने पृष्ठांकित समस्त शर्तों को भलीभांति पढ़ लिया है एवं समझ लिया है। मैं/हम उपरोक्त वर्णित सभी शर्तों की पूर्ण करने के लिए सहमत हैं।

बोलीदाता के हस्ताक्षर
(मय सील)

(तकनीकी बिड के साथ प्रस्तुत करें)

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- (i). A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. have controlling partners/ shareholders in common; or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or

- e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
- f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or
- g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charged consultant for the contract.

(तकनीकी बिड के साथ प्रस्तुत करें)

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of in response to their Notice Inviting Bids No..... Dated..... I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date:

Signature of bidder

Place:

Name :

Designation:

Address:

(तकनीकी बिड के साथ प्रस्तुत करें)

Annexure C : Grievance Redressal (During Procurement Process)

The designation and address of the First Appellate Authority is **DIRECTOR, SSAAT JAIPUR**

The designation and address of the Second Appellate Authority is **SECRETARY RURAL DEVELOPMENT JAIPUR**

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or emission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

- (2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.
- (3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) determination of need of procurement;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing appeal

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second 'appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Bidders Singnature

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012

Appeal No of

Before the (First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:

(i) Name of the appellant:

(ii) Official address, if any:

(iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):

(i)

(ii)

(iii)

3. Number and date of the order appealed against

and name and designation of the officer / authority

who passed the order (enclose copy), or a

statement of a decision, action or omission of

the Procuring Entity in contravention to the provisions

of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposes to be represented

by a representative, the name and postal address

of the representative:

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of

appeal:

.....

..... (Supported by an affidavit)

7.

Prayer:

.....

.....

Place

Date

Appellant's Signature

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

i. if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;

ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and

iii. if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

(i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.

(ii) if the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.

(iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

Bidder Signature